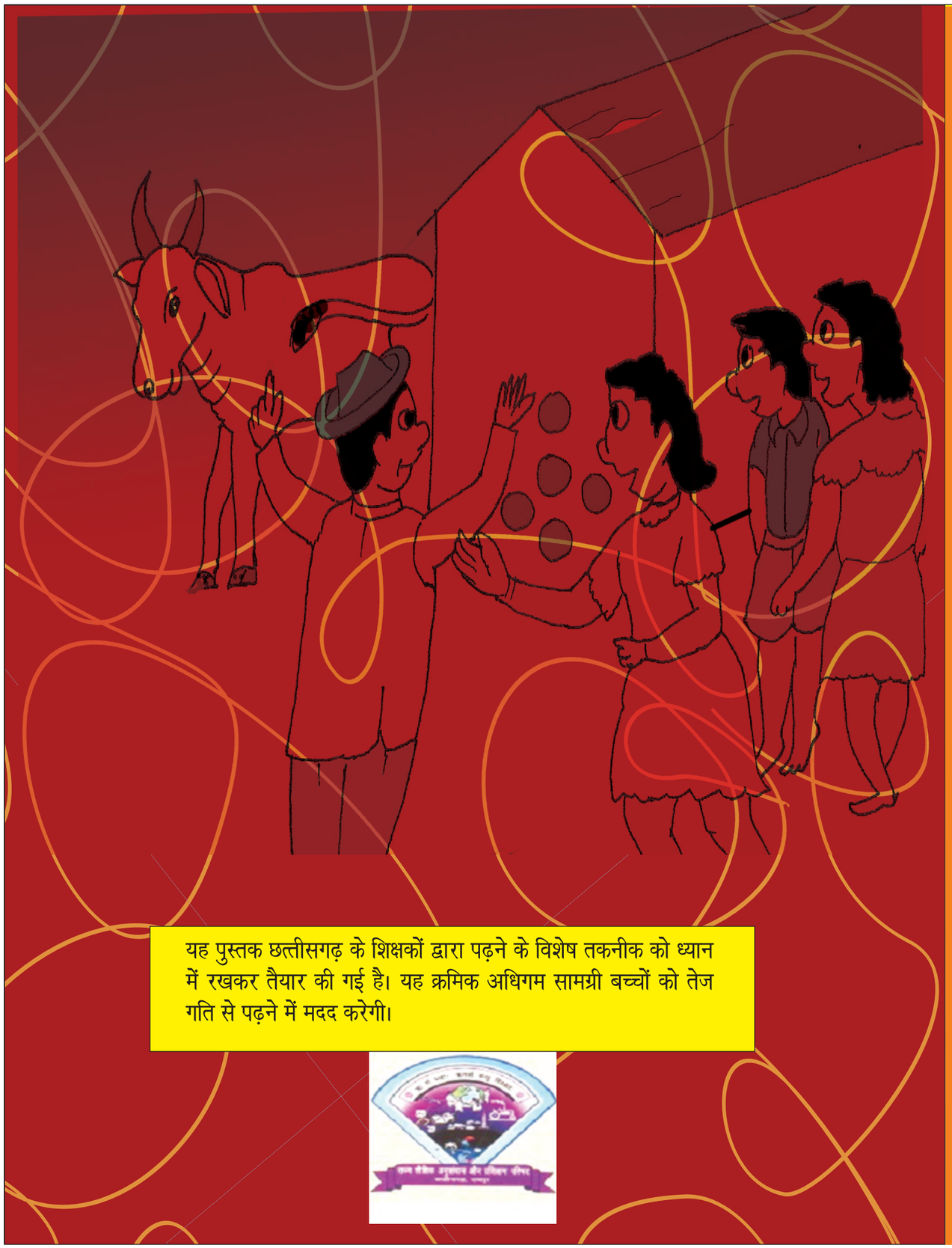

यह पुस्तक छत्तीसगढ़ के शिक्षकों द्वारा पढ़ने के विशेष तकनीक को ध्यान में रखकर तैयार की गई है। यह क्रमिक अधिगम सामग्री बच्चों को तेज गति से पढ़ने में मदद करेगी।

18

छेना

कक्षा–तीसरी

क्रमिक अधिगम सामग्री

जॉन सीतापुर गाँव में घूम रहा था। उसके पास एक कैमरा और मोबाईल था। उसे जो चीज अच्छी लगती, वह उसकी फोटो खींच लेता।

जॉन को अब दीवार पर चिपके गोबर का रहस्य समझ में आ गया। उसने अपनी डायरी में 'छेना' शब्द लिखा। अब वह आगे गाँव की ओर बढ़ गया।

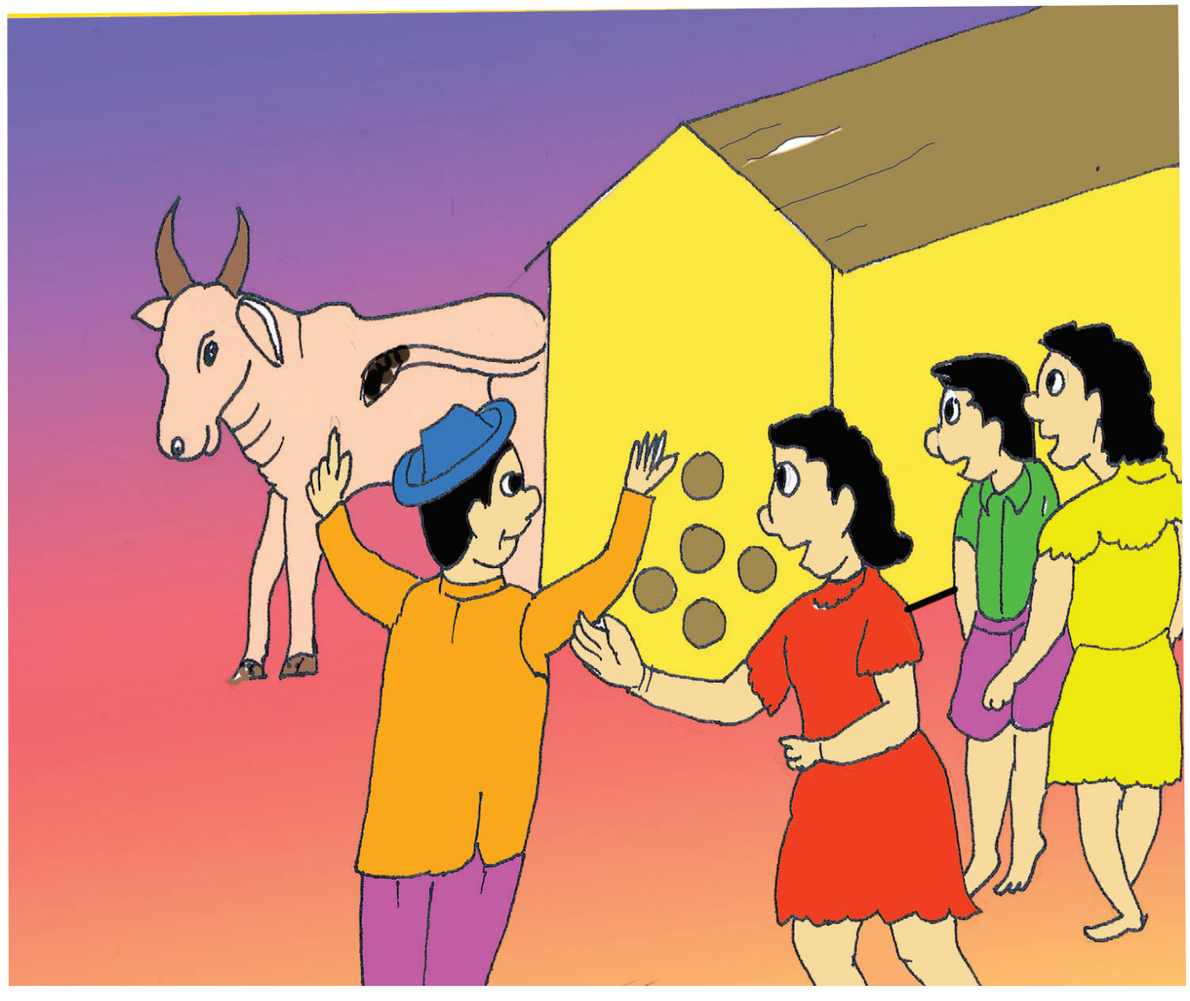

रानी हँसते हुए बोली– ''अंकल जी, ये गाय ने नहीं किया है। मेरी माँ ने गोबर को गोल–गोल करके दीवार पर थापा है। जब गोबर सूखकर छेना बन जाएगा, तब मेरी माँ उसे जलाकर खाना पकाएगी।

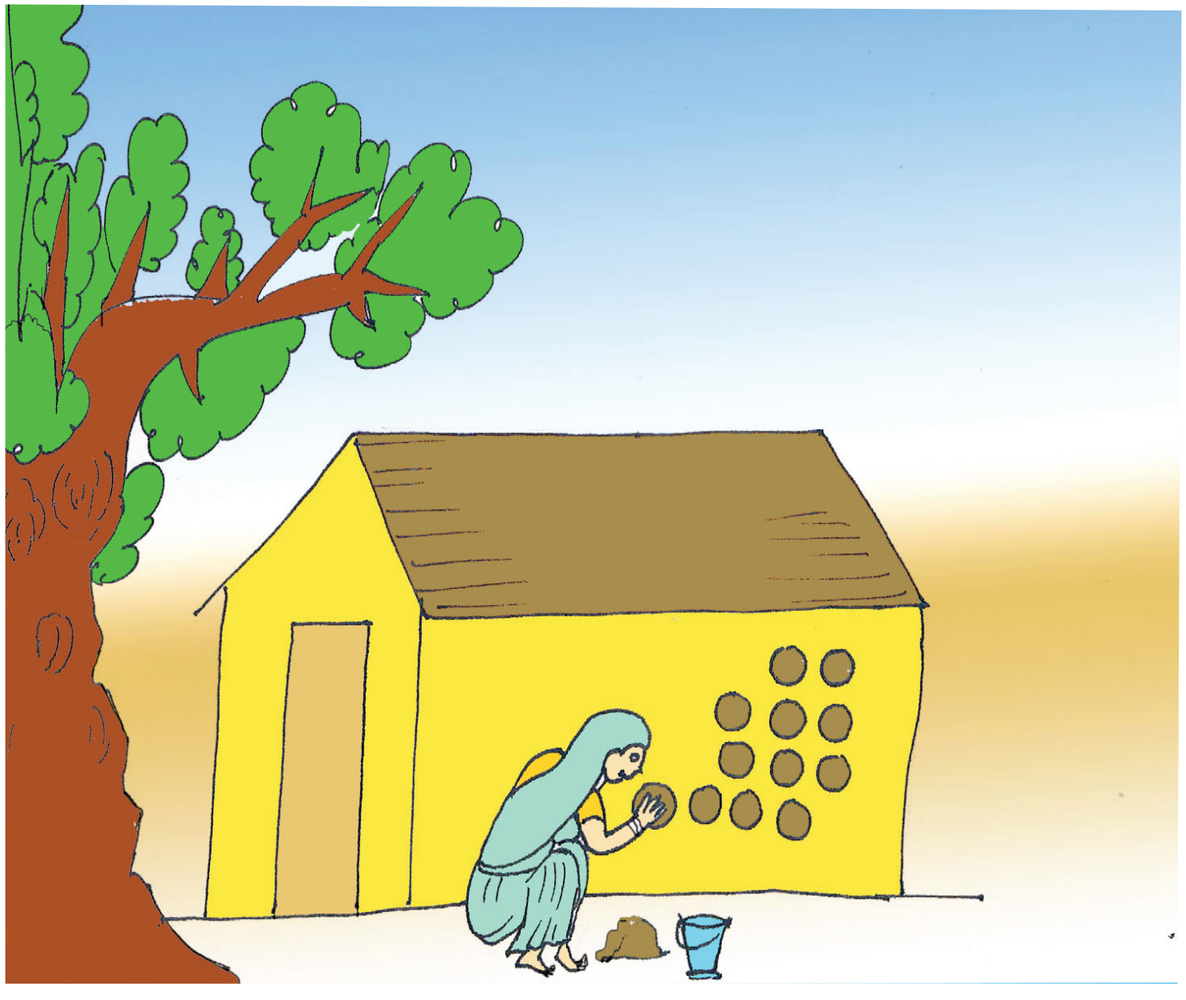

अचानक उसकी नजर एक दीवार पर पड़ी। वह आश्चर्य से दीवार की ओर देखने लगा। उसने कैमरा से उस दीवार की फोटो भी खींची।

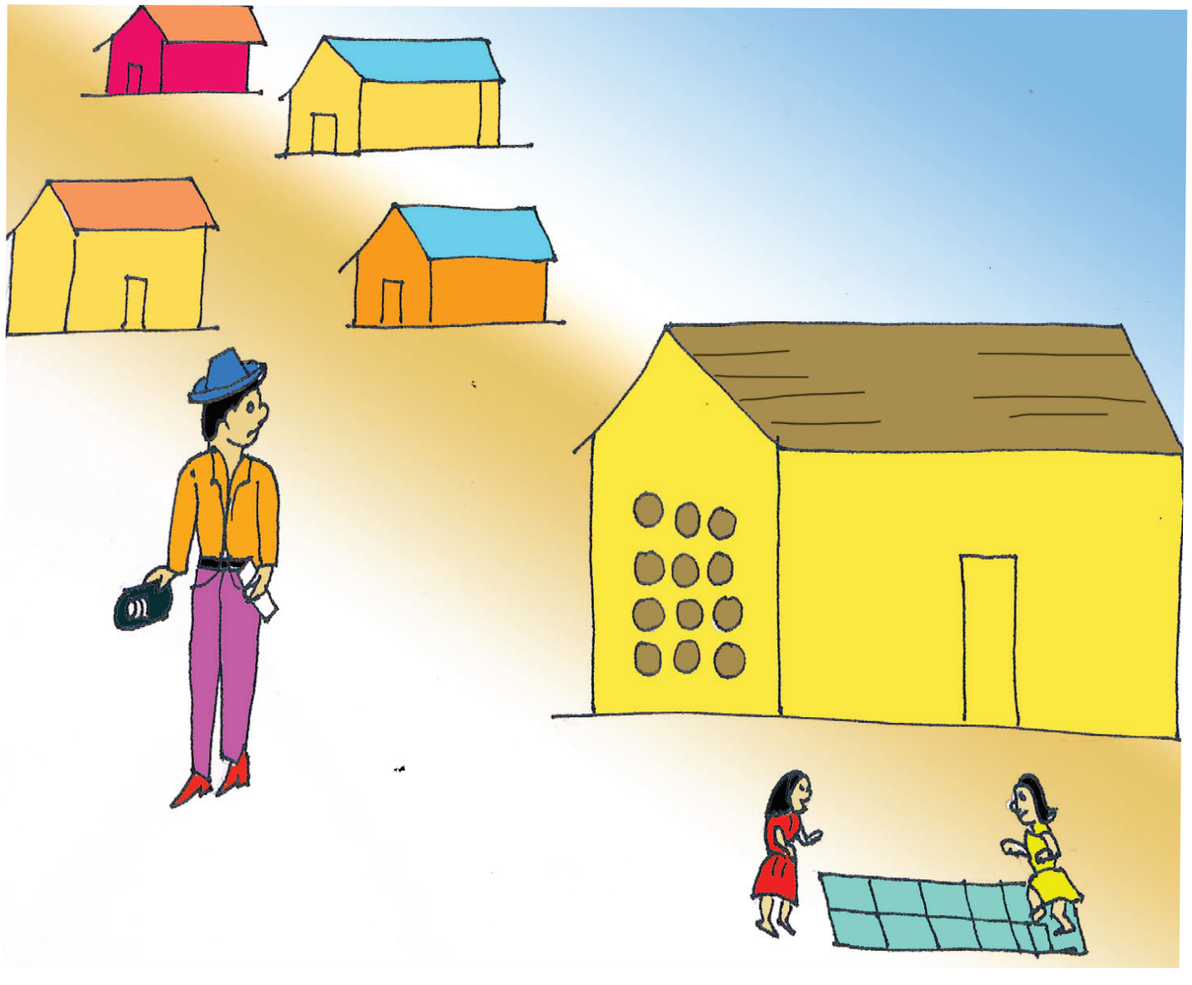

कुछ बच्चे वहीं पर कंचे खेल रहे थे। जॉन को फोटो खींचते देखकर वे हँसने लगे।

तभी रानी उसके पास आई और बोली–"क्या देख रहे हो अंकल जी?"
जॉन ने कहा–"आखिर, दीवार पर गाय ने गोबर कैसे किया होगा?"